RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

नहीं बड़ा अपराध यह, कर सकते हम माफ।
लेकिन पानी दूध में, डाला करिए साफ।
डाला करिए साफ, साफ हो बर्तन-पॉटर।
सबसे अच्छा रहे, अगर हो मिनरल वॉटर।
कह साहिल कविराय, रास्ता ये ही बचता।
पूरा खालिस दूध, कहां अब हमको पचता।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 152 | THURSDAY DATE 26-06-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

दिल्ली में बिजली चोरी पर होगा सख्त ऐक्शन, मंत्री आशीष सूद ने दिया निर्देश

» दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।

दिल्ली में बिजली चोरी के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है। बिजली मंत्री आशीष सूद के निर्देशों पर दिल्ली में सबसे ज्यादा नुकसान वाले इलाकों को टॉरगेट किया गया और वहां बिजली चोरी रोकने का प्रयास किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के सबसे ज्यादा बिजली विभाग के नुकसान वालों

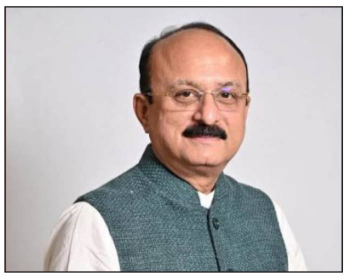

में से एक कमरुद्दीन नगर में पहले से काफी सुधार हुआ है। पश्चिमी दिल्ली के मुंडका का एक इलाका है, कमरुद्दीन नगर। इस इलाके में बिजली का नुकसान का स्तर काफी ऊपर चला गया था। इस दौरान बिजली मंत्री आशीष सूद के निर्देश पर सख्ती दिखाई गई। सख्ती के बाद कमरुद्दीन नगर में काफी सुधार देखने को मिला है। कमरुद्दीन नगर में पहले नुकसान 56 प्रतिशत से ज्यादा हो रहा था और बिजली चोरी के कारण इलाके में करीब 24.4 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान बिजली विभाग को हो रहा था। अब इस इलाके में बिजली चोरी कम करके नुकसान को रोका जा रहा है। जांच के दौरान बिजली विभाग ने पाया कि सबसे ज्यादा चोरी अवैध कमर्शियल और इंडस्ट्रियल यूनिट्स में की जा रही थी। इस दौरान ओवरहेड पावर लाइन से अवैध तरीके से कनेक्शन के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था।

मानसून से पहले दिल्ली सरकार की तैयारी तेज

30.91 लाख मीट्रिक टन गाद हटाई , 1,900 किलोमीटर नालों की सफाई पूरी

» दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।

राजधानी में मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। लोक निर्माण विभाग, जल विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे डी-सिल्टिंग कार्यों का निरीक्षण किया और मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अगले 10 से 15 दिनों में दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि राजधानी में वरिष्ठ अधिकारी, मुख्य अभियंता और फील्ड टीमें सड़कों, नालों और अन्य महत्वपूर्ण ढांचों का भौतिक सत्यापन कर रही हैं, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव और उससे जुड़ी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

30.91 लाख मीट्रिक टन गाद हटाने का रिकॉर्ड: सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने इस वर्ष डी-सिल्टिंग अभियान के तहत 30,91,242 मीट्रिक टन गाद हटाई है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा करीब 19 लाख मीट्रिक टन था। विभाग के अनुसार, 21 प्रमुख नालों से 2,84,655 मीट्रिक टन गाद हटाई गई, जबकि अकेले नजफगढ़ ड्रेन से 12,77,172 मीट्रिक टन गाद निकाली गई। कुल 22 प्रमुख नालों से 15,61,827 मीट्रिक टन और 55 सहायक नालों से 15,29,415 मीट्रिक टन गाद हटाई गई है। सरकार का दावा है कि इससे जल निकासी क्षमता में सुधार होगा और बाढ़ व जलभराव की आशंका कम होगी।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि रखरखाव अनुबंध होने के बावजूद वास्तविक स्थिति का आकलन केवल मौके पर जाकर ही किया जा सकता है। इसलिए पूरे शहर में अधिकारी और फील्ड टीमें विभिन्न इलाकों का निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जवाबदेही तय करना और गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता न करना है।

1,900 किलोमीटर नालों की सफाई पूरी

लोक निर्माण विभाग की ताजा प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने 2,125.87 किलोमीटर लंबे नालों में से 1,900.15 किलोमीटर की डी-सिल्टिंग का कार्य पूरा कर लिया है, जो कुल लक्ष्य का 89.38 प्रतिशत है। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित करना और प्रमुख सड़कों पर जलभराव की आशंका को कम करना है।

संक्षिप्त खबरें

तारातला में निमार्णाधीन गोदाम की छत ढही, कई मजदूर मलबे में फंसे

कोलकाता, यूटर्न/ 24 जून । पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निमार्णाधीन गोदाम का हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तारातला क्षेत्र में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर एक गोदाम का निर्माण कार्य चल रहा था। बुधवार दोपहर मजदूर रोजाना की तरह निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान गोदाम की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। भारी मलबा गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और कई लोग उसके नीचे दब गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय कई मजदूर निर्माण स्थल पर मौजूद थे। आशंका जताई जा रही है कि अभी भी काफी लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। इसी वजह से बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। वहीं, हादसे को लेकर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा कि इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'पांच लोगों की जान चली गई है। कुछ घायलों को अस्पताल भेजा गया है।' हालांकि, प्रशासन की ओर से मृतकों की संख्या को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

मुजफ्फरनगर बंधुआ मजदूरी की घटना बर्बाद अर्थव्यवस्था का मलबा : राहुल

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में सामने आए बंधुआ मजदूरी के मामले को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए कहा है कि यह सामान्य आपराध की घटना नहीं है बल्कि यह खस्ताहाल और धराशाई हुई अर्थव्यवस्था का मलबा है। श्री गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मजदूरों से बिना मजदूरी दिए काम कराया गया, उन्हें कुत्तों से कटवाया गया, भाले से गोदा गया, कोड़े मारे गए और मवेशियों का चारा खिलाया गया। उन्होंने इसे इंसानी गरिमा पर सीधा हमला बताया और कहा कि पीड़ितों का न्याय के साथ पुनर्वास कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में खाई में गिरी मिनीबस, 23 श्रद्धालु घायल, दो की हालत गंभीर

जम्मू, यूटर्न/ 24 जून । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 23 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बिलावर कस्बे के निकट स्थित प्रसिद्ध सुकराला माता मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनीबस सिम्बली क्षेत्र में नियंत्रण खोने के बाद गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय बस मंदिर की ओर जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, चालक के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि दो श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया, 'बचाव अभियान पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से चलाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सभी राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।'

दिल्ली मेट्रो ने सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के लिए केन्द्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर शुरू किया निर्माण कार्य

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बुधवार को सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के लिए केन्द्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। यह स्टेशन फेज 5 (ए) के तहत जनकपुरी पश्चिम से आर के आश्रम मार्ग तक मौजूदा मैजेंटा लाइन के विस्तार के तौर पर बनाया जा रहा है। इस स्टेशन के बन जाने के बाद केन्द्रीय सचिवालय स्टेशन एक 'ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन' बन जाएगा, जहां नयी मैजेंटा लाइन का स्टेशन मौजूदा येलो लाइन और वॉयलेट लाइन से जुड़ेगा। इससे सरकारी कर्मचारियों और लुटियंस जोन तथा आस-पास के प्रशासनिक इलाकों में आने-जाने वाले यात्रियों को बहुत सहूलियत होगी। यह कॉरिडोर 9.913 किलोमीटर लंबा है और इसमें नौ भूमिगत स्टेशन शिवाजी स्टेडियम, युगे युगीन भारत, केन्द्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, समर स्मारक- उच्च न्यायालय, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ शामिल हैं।

सीएम धामी से मिलीं सपना राणा, जर्मनी में मिला उत्तराखंड की बेटी को बड़ा अवसर

» देहरादून, यूटर्न/ 24 जून ।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को सीएम आवास में टिहरी गढ़वाल की सपना राणा ने मुलाकात की। सपना राणा द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर भाषा परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उनको जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में 3,060 यूरो (लगभग 3,30,000 रुपए) प्रतिमाह के वेतन पर नियुक्ति मिली है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत गठित विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा अन्तराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों से राज्य के युवाओं को जोड़े जाने के लिए निरन्तर प्रयास

किए जा रहे हैं। वर्तमान में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा राज्य के युवाओं को जापान और जर्मनी में सेवायोजित किए जाने हेतु भाषा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक करीब 65 युवाओं को जापान में सेवायोजित किया जा चुका है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध है। इसके दृष्टिगत प्रकोष्ठ द्वारा जर्मन भाषा का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

शाह करेंगे नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर की 10वीं शीर्ष-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के नशामुक्त भारत के विजन को साकार करने के सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। यह बैठक हाइब्रिड मोड में 44 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगी। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ह्यमादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)ह्व जारी करेंगे। केंद्र सरकार के संबंधित विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया यह विजन डॉक्यूमेंट, ड्रग की समस्या से निपटने के लिए मांग कम करने, आपूर्ति कम करने और नुकसान कम करने के पहलुओं पर एक साझा रोडमैप प्रदान करेगा। इस रोडमैप में नेटवर्क-केंद्रित प्रवर्तन अप्रोच की परिकल्पना की गई है। साथ ही, इसमें अगले तीन वर्षों के दौरान सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के जरिए होने वाली तस्करी की चुनौतियों से निपटने, युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने, और ड्रग्स का इस्तेमाल करने वालों के लिए इलाज व पुनर्वास केंद्रों की पहुंच बढ़ाने जैसे उपाय भी शामिल हैं, जिन्हें समन्वित और निरंतर तरीके से लागू किया जाएगा।

उज्जैन और अयोध्या का विवाद राष्ट्रीय नहीं, अंतरराष्ट्रीय मामला : कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उज्जैन जमीन और अयोध्या के फंड गबन विवाद को अंतरराष्ट्रीय मामला बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री जमीन खा रहे हैं और दान की चांदी-सोना निकल रहे हैं। आरएसएस की भाषा में कहें तो अयोध्या और उज्जैन झांकी है, अभी मथुरा और काशी बाकी है। वहां से लूटने की तैयारी हैं, क्योंकि वहां कॉरिडोर बन रहे हैं।

पवन खेड़ा ने बुधवार को प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए कहा, 'ये मामला सिर्फ स्थानीय और राष्ट्रीय मामला नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामला है। लोगों की आस्था इन शहरों से जुड़ी हुई है। अपना पेट काटकर और पैसा बचाकर लोग तीर्थस्थलों पर जाते हैं। वहां लोग आस्था के साथ दानपेटी में पैसे डालते हैं। इन पैसों को लूटना और चोरी करना लोगों की आस्था के साथ धोखा है। यह अयोध्या में हुआ है।'

कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अयोध्या का मंदिर सीधे संघ की देखरेख हैं। आज वहां की स्थिति को देखा जा सकता है। मध्य प्रदेश में संघ की सरकार है, वहां उज्जैन का हाल देख सकते हैं। इसी दौरान, उज्जैन जमीन विवाद पर पवन खेड़ा ने मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ आने वाला है। आप प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। सब कुछ आपकी जानकारी में रहता है और सभी फाइलें आपकी जानकारी से होकर गुजरती हैं। आप खुद नक्शों और मास्टरप्लान में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आपकी कलम में वो ताकत है कि आप तय प्रोजेक्ट को प्रभावित कर सकते हो। उस प्रभाव और कलम का आपने दुरुपयोग किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'पारिवारिक माहौल में जमीन की लूट हुई है। आपके परिवार ने सैकड़ों एकड़ जमीन आपके मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में खरीदी। मुख्यमंत्री बनने के बाद 168 एकड़ में से 111 एकड़ जमीन उस क्षेत्र में खरीदी गई, जहां सिंहस्थ कुंभ आने वाला है। आपके पास जानकारी थी और आपने अपने परिवार के जरिए ये जमीन खरीदी। पांड्याखेड़ी में 18 एकड़ जमीन है। उज्जैन में जहां 2035 के मास्टरप्लान पर काम होना है, वहां मोहन यादव के परिवार ने जमीनें खरीदीं।' पवन खेड़ा ने कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक्शन लेने की उम्मीद नहीं है। वो विदेश में मेलोडी और देश में झालमुड़ी खाएंगे, उनके मुख्यमंत्री जमीनें और दान का सोना-चांदी निगल जाएंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल थे। उन्होंने कहा, 'मध्य प्रदेश में मोहन यादव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सैकड़ों एकड़ जमीन खरीदी। कांग्रेस ने इस बारे में सार्वजनिक रूप से भाजपा, भाजपा अध्यक्ष, भाजपा की प्रदेश इकाई और मोहन यादव से सवाल पूछे थे।

गोदाम की छत गिरने से 3 लोगों की मौत, 18 लोग फंसे

» **कोलकाता, यूटर्न/ 24 जून ।**

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दक्षिण कोलकाता के तारातला इलाके में बन रहे एक गोदाम की छत गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई, करीब 18 लोग अंदर फंसे हुए हैं और 21 मजदूरों को बाहर निकाला गया है। इस हादसे में 40 से ज्यादा मजदूर फंस गए थे। अधिकारी ने कई मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्घटना वाली जगह का दौरा किया और बचाव अभियान की निगरानी की। दौरे के बाद, उन्होंने राज्य सचिवालय ह्वनबन्नाह्न में मीडिया से बात की।

उन्होंने बताया कि हादसा दोपहर 12:07 बजे हुआ। उन्होंने शुरूआती बचाव कार्यों के लिए सिविल डिफेंस, फायर डिपार्टमेंट और कोलकाता पुलिस का शुक्रिया अदा किया, जिनकी वजह से कई जानें बचाई जा सकीं। उन्होंने एनडीआरएफ कर्मियों की कोशिशों की भी तारीफ की और बताया कि भारतीय सेना के जवान भी मौके पर काम कर रहे हैं। अधिकारी ने पुष्टि की कि तीन लोगों की मौत हुई है, करीब 21 लोगों को बाहर निकाला गया है और 12 लोगों का एसएसकेएम अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भाजपा ने लगाया खड़गे परिवार पर आरोप

कहा- सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के माध्यम से जमीन की लूट और भ्रष्टाचार में शामिल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे व कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन की लूट और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है।

भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे एक ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन हड़पने और भ्रष्टाचार में शामिल हैं। इस ट्रस्ट का नाम सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके बेटे प्रियांक खड़गे, उनके दामाद और उनकी पत्नी शामिल हैं। भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित भ्रष्टाचार के एक नहीं बल्कि कई मामले रखूंगा, जिनसे पता चलेगा कि कैसे मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस ट्रस्ट के जरिए जमीन के अलग-अलग टुकड़ों पर कब्जा किया और अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल करके गरीबों की जमीन हड़पी और कई जगहों पर जमीन लूटने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि जमीन हड़पने का जो पहला मामला रखना चाहता हूं, वह सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का है। इसे 2024 में केआईएडी (कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड) ने मंजूरी दी थी, जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी। इसका मकसद एयरोस्पेस और डिफेंस के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट करना बताया गया था। पांच एकड़ के इस प्लॉट की मार्केट वैल्यू अब 100 करोड़ रुपए है। इसे किसी इंडस्ट्रियल या एयरोस्पेस ट्रस्ट को दिया जाना चाहिए था। इसके बजाय इसे कांग्रेस अध्यक्ष के मालिकाना हक वाले एक प्राइवेट ट्रस्ट को दे दिया गया और इस ट्रस्ट ने कोई रिसर्च और डेवलपमेंट का काम नहीं किया।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी और पूरे गांधी-वाड्रा परिवार (जिसमें उनके जीजा रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल हैं) पर अलग-अलग इलाकों में जमीन हड़पने के ऐसे ही आरोप और मामले चल रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए वही तरीका अपनाया जो गांधी-वाड्रा परिवार ने अपनाया था। यह ह्वप्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्टह्न की धारा 131ए और 131बी के तहत एक अपराध है। भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताना चाहिए कि उनके पास जो ट्रस्ट हैं, उसने ऐसा कौन सा काम किया कि एयरोस्पेस और डिफेंस रिसर्च जमीन आपके प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी गई। भंडारी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 19 एकड़ जमीन खड़गे के प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी। इसका मतलब है कि 19 एकड़ सरकारी जमीन एक ऐसे ट्रस्ट की प्राइवेट जमीन बन गई, जिसके सदस्यों में मल्लिकार्जुन खड़गे समेत उनके परिवार के लोग शामिल हैं।

गऊ सेवा भागवत सेवा

अश्विनी वालिया/कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 24 जून । आज के समय मे जब इंसान इंसान की तरफ नहीं देखता तब बेजुबान की कौन बात करे ! ईस तपती गर्मी मे श्री स्थाणु सेवा मंडल के सदस्य अनिल पोपली जी ने अपने भाई संजीव अरोड़ा के सहयोग से अपनी नेक कमाई मे से कुरुक्षेत्र की सनातन धर्म गऊ शाला मे एक ट्राली हरा चारा 25 किवंटल उपलब्ध कराया ! अनिल पोपली जी सदा धर्म के कार्य मे लगे रहते है चाहे गर्मियों मे मीठे पानी पिलाना सनातन गौशाला प्रबंधक रोहताश ने अनिल पोपली को सदा धर्म के कार्य करते रहने का आग्रह किया ! ईस अवसर पर अनिल पोपली, रमेश सचदेवा, अजय बजाज, मोहित पोपली, केशव पोपली, सुरेंदर कौशिक, पायल, देवांशी, योगेश गौड़, उपस्थित रहे !

उपराष्ट्रपति ने ह्ववीआईपी कल्चर इन इंडिया: पावर, प्रिविलेज एंड द डिस्टेंस फ्रॉम डेमोक्रेसीह्न नामक पुस्तक का विमोचन किया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में ह्ववीआईपी कल्चर इन इंडिया: पावर, प्रिविलेज एंड द डिस्टेंस फ्रॉम डेमोक्रेसीह्न नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यसभा सांसद नबाम रेबिया और सह-लेखक संदीप कुमार द्वारा इस पुस्तक में उठाया गया विषय भारत में लोकतांत्रिक शासन और सार्वजनिक जीवन के मूल को छूता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि लोकतंत्र का सार नागरिकों और सार्वजनिक सत्ता के प्रभारी व्यक्तियों के बीच संबंधों में निहित है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार के बजाय एक उत्तरदायित्व के रूप में देखा जाता है। उपराष्ट्रपति ने महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर को संदर्भित करते हुए कहा कि सच्चा नेतृत्व सुलभता, करुणा और जवाबदेही से पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि जो नेता जनता के प्रति सुलभ और सम्मानजनक बने रहते हैं, वे स्थायी विश्वास और प्रशंसा अर्जित करते हैं। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तक में जिन विषयों पर चर्चा की गई है, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन के अनुरूप हैं जिसमें वे सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार के बजाय सेवा का साधन मानते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा विशिष्ट व्यक्तियों के लिए लाल बत्ती समाप्त करने के निर्णय और हाल ही में नीट परीक्षार्थियों को यातायात प्रतिबंधों से होने वाली असुविधा से बचाने के लिए अपने प्रस्थान में विलंब करने के उनके कदम का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे कार्य नागरिक-केंद्रित शासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और इस सिद्धांत को सुदृढ़ करते हैं कि सार्वजनिक प्राधिकरण नागरिकों की सेवा के लिए ही अस्तित्व में है। प्रधानमंत्री के शब्दों का स्मरण करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय विशेष है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार, बीटेक पास आरोपी करता था ठगी

» **नोएडा, यूटर्न/ 24 जून ।**

थाना साइबर क्राइम पुलिस गौतमबुद्धनगर ने एक ऐसे शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जो लोगों को हज और उमरा के लिए सस्ते पैकेज पर विदेश भेजने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी कर रहा था। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण और अभिसूचना संकलन के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान तसलीम साद पुत्र जाकिर हुसैन निवासी कृष्णा एन्कलेव, थाना बारादरी, बरेली के रूप में हुई है। 35 वर्षीय आरोपी बीटेक (ईसी) शिक्षित है और तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल कर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया, फोन कॉल और विभिन्न माध्यमों से लोगों को हज और उमरा यात्रा के लिए बेहद सस्ते पैकेज उपलब्ध कराने का दावा करता था। आकर्षक ऑफर और कम खर्च में विदेश यात्रा का लालच देकर वह लोगों से एडवांस भुगतान करवा लेता था और बाद में संपर्क तोड़ देता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में कुल 9 शिकायतें दर्ज हैं। इनमें दिल्ली, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान शामिल हैं।

भारतीय आमों की मिठास से मजबूत होंगे रिश्ते, नितिन नवीन ने 82 देशों के राजनयिकों को भेजे विशेष बॉक्स

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत के आम को मेहमाननवाजी, दोस्ती और समृद्ध कृषि परंपरा का प्रतीक बताते हुए 82 देशों के राजनयिकों को भारतीय आमों के विशेष उपहार बॉक्स भेंट किए। यह भारत की कृषि विरासत और सांस्कृतिक पहचान को दुनिया तक पहुंचाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने की एक अनोखी पहल है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई दिल्ली में तैनात 82 देशों के राजनयिकों को खास तौर पर तैयार किए गए प्रीमियम भारतीय आमों के उपहार बॉक्स भेजे हैं।

इन बॉक्स में भारत की चार सबसे प्रसिद्ध आमों की किस्में (केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा) शामिल थीं। ये सभी किस्में अपने अलग स्वाद, खुशबू और क्षेत्रीय पहचान के लिए जानी जाती हैं। इस पहल के जरिए भारत की विविध बागवानी परंपराओं और दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले उसके सबसे लोकप्रिय फल को सामने लाने की कोशिश की गई है।

आमों के साथ नितिन नवीन ने राजनयिकों को एक व्यक्तिगत संदेश भी भेजा। उन्होंने अपने संदेश में शुभकामनाएं देते हुए भारतीय संस्कृति में आम के महत्व को बताया। उन्होंने आम को मेहमाननवाजी, दोस्ती और भारत की समृद्ध कृषि परंपरा का प्रतीक बताया। इस पहल को

सांस्कृतिक कूटनीति (कल्चरल डिप्लोमेसी) के रूप में देखा जा रहा है, जहां भारत के सबसे पहचान वाले फलों में से एक आम के जरिए सद्भावना बढ़ाने और राजधानी में मौजूद अंतरराष्ट्रीय राजनयिक समुदाय के साथ रिश्तों को और मजबूत करने की कोशिश की गई है। भारत दुनिया में आम के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। केसर, दशहरी, बंगनपल्ली और लंगड़ा जैसी किस्में अपने बेहतरीन स्वाद और गुणवत्ता के कारण न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी काफी पसंद की जाती हैं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

करनाल की बेटी श्रीतारा पसरीचा ने जीता मिस यूनिवर्स हरियाणा 2026 का खिताब, अब राष्ट्रीय मंच पर करेंगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 24 जून । नई दिल्ली के छतरपुर स्थित तिवोली गार्डन रिसोर्ट में 19 जून को आयोजित राज्य स्तरीय मिस यूनिवर्स हरियाणा एवं दिल्ली प्रतियोगिता में हरियाणा की प्रतिभाशाली श्रीतारा पसरीचा ने मिस यूनिवर्स हरियाणा 2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता से पूर्व स्वास्थ्य संबंधी कारणों से चिकित्सकों ने उन्हें हाई हील्स पहनने और अत्यधिक शारीरिक दबाव से बचने की सलाह दी थी, लेकिन चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अदम्य आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के साथ अब वे राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। श्रीतारा करनाल से संबंध रखती हैं। उनके पिता एडवोकेट सुनील पसरीचा हैं तथा उनकी माता डॉ. पूनम पसरीचा, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व सीबीएसई विद्यालय प्राचार्या हैं। परिवार से मिले संस्कार, शिक्षा, अनुशासन और निरंतर प्रोत्साहन ने उनकी सफलता की मजबूत नींव रखी है। श्रीतारा की इस उपलब्धि पर परिवार, मित्रों, शिक्षकों और शुभचिंतकों में हर्ष और गर्व का माहौल है। परिवार ने इस सफलता का श्रेय ईश्वर की कृपा, अथक परिश्रम और सभी के आशीर्वाद को दिया है ।

नलवा विधायक रणधीर ने एशिया चैंपियन अमन टाक को बधाई दी

» हरियाणा, यूटर्न/ 24 जून ।

हरियाणा के लोकप्रिय विधायक रणधीर सिंह हल्का नलवा ने एशिया चैम्पियन अमन टाक को अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि अमन ने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर प्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। अमन की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करती है कि दृढ़ संकल्प के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। विधायक रणधीर सिंह नलवा ने अमन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वह आने वाले समय में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर हरियाणा और भारत का नाम और अधिक ऊंचा करेंगे।

अमन ने दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत बनाकर आगे बढ़ने वाले हिसार के होनहार पैरा खिलाड़ी अमन टाक ने अंतरराष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। अमन की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है और विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक तथा राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। अमन ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। निरंतर अभ्यास, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने यह सफलता हासिल की। उनकी उपलब्धि यह साबित करती है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। आज अमन उन युवाओं और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं जो जीवन में संघर्षों का सामना कर रहे हैं।

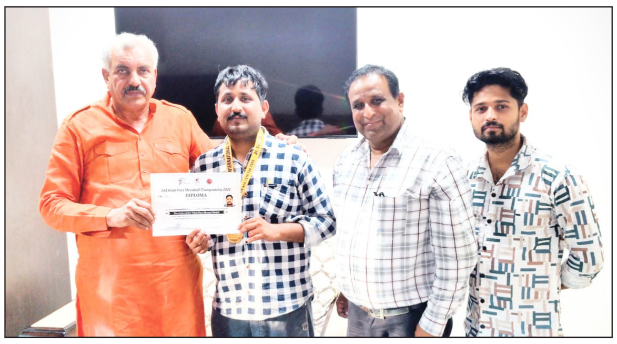

मड़लौडा में 4 करोड़ 10 लाख की राशि से बनेगें इन्डोर जिम, महिला सास्कृतिक केन्द्र, आरोग्य उद्यान, ई-लाइब्रेरी तथा आधुनिक पार्क : कृष्ण लाल पंवार

» पानीपत, यूटर्न/ 24 जून ।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसराना विधानसभा के मड़लौडा गांव को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। इन विकास कार्यों में मडलौडा गांव में स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के साथ लगती लगभग 2 एकड़ पंचायती जमीन पर 4 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि सें इन्डोर जिम, महिला सास्कृतिक केन्द्र, आरोग्य उद्यान, ई-लाइब्रेरी तथा आधुनिक पार्क का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए विकास एवं पंचायत विभाग ने स्वीकृती पत्र जारी कर दिया है। प्रदेश के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के शासन में गांव के अन्दर शहरी सुविधाएं पहुचाने के सकंल्प को नई मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

विकास एवं पंचायत मंत्री ने बताया कि हरियाणा ग्रामीण विकास योजना के तहत मड़लौडा गांव में आरोग्य उद्यान परियोजना को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस परियोजना के अंतर्गत महिला सांस्कृतिक केंद्र, इंडोर जिम तथा ई-लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य पर लगभग 1 करोड़ 99 लाख 4 हजार रुपये की राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद युवाओं को अध्ययन एवं डिजिटल शिक्षा के लिए ई-लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी, वहीं इंडोर जिम के माध्यम से युवाओं और ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में मदद मिलेगी। महिला सांस्कृतिक केंद्र महिलाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

2.11 करोड़ रुपये से बनेगा आधुनिक पार्क: श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि मड़लौडा गांव में हरियाणा ग्रामीण विकास निधि (एचआरडीएफ) योजना के तहत लगभग 2 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से एक आधुनिक पार्क के निर्माण को भी मंजूरी प्रदान की गई है। पार्क के निर्माण से ग्रामीणों को स्वच्छ, हरित एवं स्वास्थ्यवर्धक वातावरण उपलब्ध होगा। यहां बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह पार्क ग्रामीणों के लिए मनोरंजन, स्वास्थ्य एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा गांव में पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देगा।

वसाया राम सलूजा की 27वीं पुण्यतिथि पर परिवार ने दी श्रद्धांजलि, की गौ सेवा व शिवालय में किया पूजन

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 24 जून । स्वर्गीय वसाया राम सलूजा की 27वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सलूजा परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने शिवालय में पूजा-अर्चना की तथा गौशाला पहुंचकर गौ पूजन कर गुड़ दलिया,हरा चारा खिलाया और गौ सेवा का संकल्प लिया। परिवारजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर डॉ. राजेन्द्र सलूजा, सरोज सलूजा, आशीष सलूजा, आरती सलूजा, दिविशा सलूजा, जय गोपाल सलूजा, आशा सलूजा, मुनीश सलूजा, सोनम सलूजा,चेष्ठा सलूजा, राजेश सलूजा, नीलम सलूजा, लवकेश सलूजा, गरिमा सलूजा, नैतिक सलूजा, पत्रकार कृष्ण सलूजा, संगीता सलूजा, वैभव सलूजा, अनिल कुमार, ज्योति रानी, राहुल, शीला देवी छाबड़ा, गुलशन छाबड़ा, मुस्कान छाबड़ा तथा अमित कथूरिया सहित अन्य परिजन उपस्थित रहे।

ब्राह्मण देवता सचिन कौशिक ने मंत्र पूजा पाठ सब पूरी विधि विधान से करवाई ओर कहा कि स्वर्गीय वसाया राम सलूजा का जीवन समाज सेवा, सद्भावना और पारिवारिक मूल्यों की प्रेरणा देता रहेगा। पुण्यतिथि पर किए गए धार्मिक एवं सेवा कार्यों के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी राजेश सलूजा ने कहा कि स्वर्गीय वसाया राम सलूजा का जीवन सादगी, सेवा और संस्कारों का प्रतीक था। उन्होंने परिवार एवं समाज को हमेशा एकजुट रखने का संदेश दिया। उनकी पुण्यतिथि पर शिवालय में पूजा-अर्चना तथा गौशाला में गौ पूजन और गुड़ खिलाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे पुण्य कार्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, सेवा भावना और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। स्वर्गीय वसाया राम सलूजा की स्मृतियां सदैव परिवार और समाज को प्रेरित करती रहेंगी।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, विदेशी लेन-देन और शेयर गतिविधियों की जांच तेज

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा), 1999 के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बेंगलुरु और मुंबई में स्थित राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (आरईएल) और उससे जुड़े लोगों के नौ ठिकानों पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। यह कार्रवाई 23 जून को शुरू की गई, जो फेमा के कथित उल्लंघन से जुड़ी चल रही जांच का हिस्सा है।

ईडी की जांच में कंपनी के विदेशी लेन-देन, निवेश, व्यापारिक गतिविधियों और वित्तीय रिकॉर्ड से जुड़े कई गंभीर मुद्दे सामने आने की बात कही गई है। एजेंसी के अनुसार, आरईएल विदेशी लेन-देन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में असफल रही। इनमें आयात-निर्यात, विदेशी निवेश, विदेशी व्यापार से जुड़ी प्राप्तियां और भुगतान का विवरण शामिल है। ईडी का कहना है कि रिकॉर्ड के अभाव में कई विदेशी लेन-देन की वास्तविकता की पुष्टि करना मुश्किल हो गया है।

जांच के दौरान अफ्रीकी खदानों में करीब 1,035 करोड़ रुपए के निवेश के दावे से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। ईडी के मुताबिक, इस निवेश से संबंधित पुराने रिकॉर्ड और जरूरी दस्तावेज अब तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। एजेंसी ने यह भी आरोप लगाया है कि कंपनी लगभग 3,000 करोड़ रुपए के विदेशी व्यापार भुगतान के मुकाबले विदेशी व्यापार प्राप्तियों की संदिग्ध तरीके से नेटिंग या सेट-ऑफ व्यवस्था में शामिल रही। इसमें यूएई और अन्य विदेशी स्थानों पर स्थित कुछ संदिग्ध विदेशी पक्षों की भूमिका की जांच की जा रही है। तलाशी के दौरान स्टॉक की भौतिक जांच में भी अंतर सामने आने की बात ईडी ने कही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तहसीलों में ऑटो म्यूटेशन सिस्टम और पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 को किया लागू : विश्राम कुमार मीणा

» परमिंदर सिंह

- अब रजिस्ट्री होने के बाद स्वतः दर्ज होगा इंतकाल, मानव हस्तक्षेप हुआ समाप्त
- पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 के माध्यम से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को बनाया अधिक पारदर्शी एवं सुरक्षित
- उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध सुविधाएं सुनिश्चित करवाने के दिए निर्देश

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 24 जून । हउपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से ऑटो म्यूटेशन सिस्टम और पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 का शुभारंभ कर दिया है। जिले में राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि लोगों को तय समय में ये सुविधाएं मिलें। सरकार द्वारा रजिस्ट्री होने पर स्वतः इंतकाल होने की नई पहल की है, जिससे आमजन को काफी लाभ होगा। इसी प्रकार से पेपरलेस रजिस्ट्री 2.0 में कई नए प्रावधान किए हैं। पिछले साल मुख्यमंत्री द्वारा कुरुक्षेत्र के बाबैन से शुरू की गई पेपरलेस रजिस्ट्री योजना में आमजन के सुझाव के बाद ये नए प्रावधान जोड़े गए हैं।

इसमें अब रजिस्ट्री के साथ इंतकाल को भी शामिल किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा ऑटो म्यूटेशन सिस्टम और पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 दोनों सुविधाओं का शुभारंभ चंडीगढ़ से किया। इसमें जिला के राजस्व विभाग के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि इन दोनों नई पहलों के लागू होने से राजस्व विभाग की कार्यकुशलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही में वृद्धि होगी तथा नागरिकों को अधिक बेहतर, सरल और त्वरित सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। सभी अधिकारी निर्धारित एसओपी का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। नई व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लागू किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अब तक जो लंबित इंतकाल हैं, उन्हें भी जल्द से जल्द निपटाएं, ताकि लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि अब तक भूमि की रजिस्ट्री कराने के बाद लोगों को इंतकाल (म्यूटेशन) दर्ज करवाने के लिए अलग से पटवार भवन जाना पड़ता था। इस प्रक्रिया में समय की बर्बादी के साथ-साथ लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब नई व्यवस्था लागू होने के बाद मकान, प्लॉट, जमीन अथवा दुकान की रजिस्ट्री होते ही इंतकाल स्वतः ऑनलाइन दर्ज हो जाएगा। इसके लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इंतकाल दर्ज करने में मानवीय हस्तक्षेप को समाप्त कर दिया गया है। नए सिस्टम से नागरिक अपने इंतकाल का स्टेटस ऑनलाइन देख सकेंगे तथा इंतकाल की प्रति ऑनलाइन डाउनलोड और प्रिंट भी कर सकेंगे। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 के माध्यम से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाया गया है। इसमें कई तरह से विकल्प दिए गए हैं।

कैबिनेट में बिट्टू को बनाए रखना: 2027 के लिए पंजाब में भाजपा की राजनीतिक रणनीति

संदीप शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को मंत्रिपरिषद में बनाए रखने का फ़ैसला, भले ही उनका राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो गया हो, महज़ एक सामान्य प्रशासनिक निर्णय नहीं है। यह साफ़ संकेत है कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में BJP की राजनीतिक रणनीति बिट्टू के इर्द-गिर्द ही घूम रही है। राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन के साथ किए गए व्यवहार से इसकी तुलना साफ़ तौर पर अलग दिखती है। दोनों नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को पूरा हुआ और किसी को भी दोबारा नामांकित नहीं किया गया। फिर भी, जहाँ कुरियन को केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटा दिया गया, वहीं बिट्टू अपने मंत्री पद पर बने हुए हैं। संवैधानिक प्रावधानों के तहत, बिट्टू संसद के किसी भी सदन का सदस्य न होने के बावजूद छह महीने तक मंत्री बने रह सकते हैं। नई दिल्ली से संदेश बिल्कुल साफ़ है: BJP पंजाब में अपने सबसे प्रमुख चेहरों में से एक को दरकिनार करने को तैयार नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर BJP में शामिल होने के बाद से ही, बिट्टू को राज्य में पार्टी के मुख्य जाट सिख नेता के तौर पर पेश किया गया है। ऐसे राजनीतिक माहौल में जहाँ BJP को अक्सर शहरी और हिंदू-केंद्रित पार्टी के तौर पर देखा जाता है, बिट्टू जैसे नेता पार्टी के सामाजिक आधार को बढ़ाने के लिए बहुत अहम हैं। पंजाब की राजनीति में पारंपरिक रूप से सिखों और खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों का दबदबा रहा है, इसलिए राज्य में सरकार बनाने की चाहत रखने वाली किसी भी पार्टी के लिए जाट सिख प्रतिनिधित्व ज़रूरी है। शिरोमणि अकाली दल के साथ लंबे समय से चले आ रहे गठबंधन के टूटने के बाद, BJP राज्य भर में एक भरोसेमंद विकल्प के तौर पर उभरने की कोशिश कर रही है। ऐसे में, बिट्टू जैसे राजनीतिक अनुभव और ज़मीनी स्तर पर मज़बूत नेटवर्क वाले नेता को खोना पार्टी के लिए नुकसानदेह हो सकता है। उन्हें केंद्रीय कैबिनेट में बनाए रखने से यह भी सुनिश्चित होता है कि केंद्र में पंजाब की ओर से BJP की एक हाई-प्रोफाइल आवाज़ बनी रहे। इससे पार्टी को राज्य में प्रतिनिधित्व दिखाने का मौका मिलता है और साथ ही 2027 के चुनावों से पहले बिट्टू राजनीतिक रूप से प्रासंगिक और चर्चा में बने रहते हैं। साथ ही, सिर्फ़ दिखावे से काम नहीं चलेगा। बिट्टू को बनाए रखने से BJP को राजनीतिक फ़ायदा हो सकता है, लेकिन पंजाब में पार्टी की कामयाबी आख़िरकार इस बात पर निर्भर करेगी कि वह ग्रामीण वोटरों से कितनी अच्छी तरह जुड़ पाती है, किसानों की चिंताओं को कितना समझती है, कृषि क़ानूनों के मामले के बाद नाराज़ हुए लोगों का भरोसा कितना जीत पाती है और शासन-प्रशासन को लेकर कितना मज़बूत नज़रिया पेश कर पाती है। फिलहाल, ऐसा लगता है कि BJP पंजाब में अपने सभी विकल्प खुले रखना चाहती है। बिट्टू को बनाए रखकर पार्टी ने यह संकेत दिया है कि सीमावर्ती राज्य में उसकी लंबी अवधि की रणनीति में उनकी अहम भूमिका है। आने वाले समय में ही पता चलेगा कि इस क़दम का फ़ायदा 2027 के चुनावों में मिलता है या यह सिर्फ़ एक रणनीतिक चाल बनकर रह जाती है।

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही र्भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है।

यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी।

यद्यपि निर्धारण कताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं।

जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है। र्शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है? पर जब वह अंधड़ के साथ जुड़ जाता है, तो आंधी ही वायु रूप में दर्शन देती है। शब्द निराकार है पर जब जिह्वा, होंठ, कंठ आदि के माध्यम से वाणी मुखर होती है, तो उन अंगों का परिचालन वाणी का साकार स्वरूप दिखाई पड़ता है। वाद्य यंत्र भी ध्वनि के उद्गम के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। इसीलिए उच्च उद्देश्यों में निरत महामानवों को बहुधा अवतार की, भगवान की संज्ञा दी जाने लगती है। श्रेष्ठ भाव संवेदनाओं की तरह आदर्शवादी क्रियाकलाप दैवी अनुग्रह से गतिशील माने जाने लगते हैं।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए। दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें।

समान नागरिक संहिता का बाल-अधिकार दृष्टिकोण

मध्यप्रदेश के बच्चों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

डॉ. निवेदिता शर्मा

भले ही भारत का संविधान प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता, सुरक्षा और विकास का अधिकार प्रदान करता है, किंतु जब भी हम परिवार, विवाह, तलाक, उत्तराधिकार या सामाजिक परंपराओं की चर्चा करते हैं, तब प्रायः वयस्कों के अधिकारों और दायित्वों पर अधिक विचार होता है। जिसकी वाणी अक्सर सबसे कम सुनाई देती है, वे हैं हमारे बच्चे।

वास्तव में किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने बच्चों के अधिकारों और हितों की कितनी प्रभावी रक्षा करती है। आज जब मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है, तब यह आवश्यक है कि इसका प्रारूप वैवाहिक, पारिवारिक और उत्तराधिकार संबंधी कानूनों का एकीकरण करने तक सीमित न रहे, वह बाल-अधिकारों की सुरक्षा का भी सशक्त दस्तावेज बने।

इसी दृष्टि से मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विचार करते समय सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह होना चाहिए कि इससे हमारे बच्चों का जीवन कितना बेहतर, सुरक्षित और न्यायपूर्ण बनेगा। यूसीसी का मूल दर्शन 'बालक का सर्वोत्तम हित' होना चाहिए, क्योंकि बच्चे किसी भी विवाद, निर्णय या

व्यवस्था के पक्षकार नहीं होते, किंतु उसके परिणामों से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं।

जब परंपरा और बचपन आमने-सामने हों

हमारे समाज में अनेक परंपराएं और रीति-रिवाज लंबे समय से प्रचलित रहे हैं। अधिकांश परंपराएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं, किंतु यदि कोई परंपरा किसी बच्चे के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा या सम्मान में बाधक बनती है, तो वहां बच्चे के अधिकारों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यूसीसी में यह स्पष्ट होना चाहिए कि विवाह, तलाक, अभिरक्षा, संरक्षकता, भरण-पोषण, दत्तक ग्रहण और उत्तराधिकार से जुड़े प्रत्येक निर्णय में बच्चे का सर्वोत्तम हित सर्वोपरि होगा। कोई भी धार्मिक प्रथा, सामाजिक मान्यता या व्यक्तिगत कानून बच्चे के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकता।

एक कम उम्र की बच्ची, जिसके हाथों में किताबें होनी चाहिए, वह विवाह और मातृत्व की जिम्मेदारियों के बोझ तले दब जाती है। एक किशोर, जिसे शिक्षा और कौशल के अवसर मिलने चाहिए, वह समय से पहले वयस्क जीवन की चुनौतियों में उलझ जाता है, इसलिए यूसीसी में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की सर्वोच्चता को पूर्ण स्पष्टता के साथ स्थापित किया जाना जरूरी है। कोई भी धर्म, मत, पंथ, समुदाय या परंपरा बाल विवाह को वैधता न दे सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बाल विवाह से जन्मे बच्चों को किसी प्रकार की सामाजिक या कानूनी हानि न हो। बच्चों को उनके माता-पिता के निर्णयों की सजा नहीं मिलनी चाहिए। पति-पत्नी का संबंध टूटता है, पर उस टूटन की सबसे गहरी आवाज अक्सर बच्चे के मन में सुनाई देती है। अनेक बच्चे माता-पिता के विवादों के बीच असुरक्षा, भय, अकेलेपन और मानसिक तनाव का सामना करते हैं। कई बार वे स्वयं को ही इस टूटन का कारण मानने लगते हैं, इसीलिए यूसीसी में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि जहां भी तलाक या वैवाहिक विवाद का मामला हो और बच्चे उससे जुड़े हों, वहां उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, निवास और भावनात्मक सुरक्षा की स्पष्ट योजना प्रस्तुत की जाए। न्यायालय आवश्यकता पड़ने पर 'चाइल्ड वेलफेयर इम्पैक्ट असेसमेंट' कर सके, ताकि यह समझा जा सके कि प्रस्तावित निर्णय का बच्चे पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी परिस्थिति में बच्चे को माता-पिता के संघर्ष का हथियार न बनने दिया जाए। एक बच्चा माता या पिता में से किसी एक का नहीं होता।

भारत अमेजन के सबसे तेजी से बढ़ते कारोबार का नेतृत्व करने की स्थिति में : सीईओ एंडी जेसी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने बुधवार को कहा कि भारत कंपनी के क्विक कॉमर्स कारोबार के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि कंपनी की 'अमेजन नाउ' सेवा भारत में अमेजन की सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स बिजनेस यूनिट बन गई है।

मुंबई के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक में स्थित 'अमेजन नाउ' माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर का दौरा करने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए जेसी ने कहा कि यह सेवा असाधारण गति से बढ़ रही है, क्योंकि ग्राहक अब ऑर्डर देने के कुछ ही मिनटों के भीतर डिलीवरी प्राप्त करना पसंद कर रहे हैं।

माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर इस तरह से तैयार किए गए हैं कि वे किराना सामान, शैम्पू, बच्चों से जुड़े उत्पाद और घरेलू उपयोग की वस्तुओं जैसे रोजमर्रा के जरूरी सामानों को तेजी से चुनकर ग्राहकों तक भेज सकें।

इस व्यवस्था के जरिए ग्राहक ऑर्डर देने के कुछ ही मिनटों के भीतर अपना सामान प्राप्त कर सकते हैं।

जेसी ने कहा, 'भारत में होना और मुंबई के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में से एक में स्थित 'अमेजन नाउ' माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर का दौरा करना बेहद अच्छा अनुभव रहा।'

उन्होंने कहा, 'किराना, शैम्पू, बच्चों के उत्पाद और अन्य जरूरी सामान जैसे उत्पाद ऑर्डर मिलने के कुछ ही मिनटों में चुनकर ग्राहकों तक पहुंचा दिए जाते हैं।'

जेसी के अनुसार, जो प्राइम सदस्य इस सेवा का उपयोग करना शुरू करते हैं, उनकी खरीदारी की आवृत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है।

उन्होंने बताया कि सेवा का उपयोग शुरू करने के बाद प्राइम सदस्य पहले की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक खरीदारी करने लगते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत में इस सेवा की शुरुआत के बाद से हर तिमाही में ऑर्डर की संख्या दोगुनी होती जा रही है। जेसी ने कहा, 'ग्राहकों को यह सेवा बेहद पसंद आ रही है। प्राइम सदस्य इसका इस्तेमाल शुरू करने के बाद अपनी खरीदारी की आवृत्ति तीन गुना बढ़ा देते हैं और लॉन्च के बाद से हमने हर तिमाही में ऑर्डर की संख्या को दोगुना होते देखा है।' भारत में 'अमेजन नाउ' को कंपनी का सबसे तेजी से बढ़ता ई-कॉमर्स कारोबार बताते हुए जेसी ने कहा कि अमेजन इसे 300 से अधिक शहरों तक पहुंचाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य भारत में मिनटों में डिलीवरी करने वाला सबसे बड़ा नेटवर्क तैयार करना है।

जेसी ने बताया कि भारत में क्विक कॉमर्स मॉडल विकसित करने के दौरान मिले नवाचार और संचालन संबंधी अनुभव अब अमेजन को अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसी तरह की सेवाओं का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी भारत की स्टील इंडस्ट्री को करेंगी फिर से परिभाषित : एच.डी.कुमारस्वामी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

भारत के स्टील उद्योग के लंबे समय तक टिके रहने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए डिजिटलाइजेशन अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक जरूरत बन गया है। यह बयान केंद्रीय स्टील और भारी उद्योग मंत्री एच.डी.कुमारस्वामी ने बुधवार को दिया। 'स्टील सेक्टर में डिजिटलाइजेशन पर चिंतन शिविर 2026' को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्टील इंडस्ट्री का भविष्य सिर्फ प्रोडक्शन क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इंटेलिजेंट, कनेक्टेड और डेटा-आधारित मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने की उसकी क्षमता से तय होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन पर जोर देते हुए, उन्होंने स्टील इंडस्ट्री को भारत के आर्थिक बदलाव का एक अहम स्तंभ बताया, जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, शहरीकरण, ट्रांसपोर्टेशन और डिफेंस प्रोडक्शन में मदद करता है।

मंत्री ने स्टील को देश के निर्माण की रीढ़ बताते हुए कहा कि कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मांग कम होने के बावजूद, भारत 2018 से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक के तौर पर अपनी जगह बनाए हुए है।

कुमारस्वामी ने आगे बताया कि वित्त वर्ष 2022 से कच्चे स्टील के उत्पादन में औसतन सालाना लगभग 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि तैयार स्टील की खपत सालाना लगभग 13 प्रतिशत बढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

दो लाख डाउन पेमेंट पर स्कोडा का इलाक ऑटोमैटिक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । कार निर्माता कंपनी स्कोडा की ओर से काइलाक का क्लासिक एटी वेरिएंट ऑटोमैटिक विकल्प के रूप में ऑफर किया गया है। अगर आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट को दो लाख रुपये का डाउन पेमेंट करके खरीदते हैं, तो आपको लगभग 8.30 लाख रुपये की राशि बैंक से फाइनेंस करवानी होगी। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 9.25 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे खरीदने पर लगभग 65 हजार रुपये आरटीओ और करीब 40 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे, जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन-रोड कीमत 10.30 लाख रुपये हो जाती है। यदि बैंक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज दर के साथ सात साल के लिए यह लोन देता है, तो आपको हर महीने सिर्फ 13,355 रुपये की मासिक किस्त (ईएमआई) देनी होगी। इस गणना के अनुसार, सात साल की अवधि में आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट के लिए लगभग 2.91 लाख रुपये बतौर ब्याज चुकाएंगे। इस तरह, आपकी गाड़ी की कुल लागत (एक्स-शोरूम कीमत, ऑन-रोड शुल्क और ब्याज मिलाकर) लगभग 13.21 लाख रुपये हो जाएगी।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज सुबह वायदा भाव में भी गिरावट रही। दोनों की कीमती धातुओं के भाव आज नीचे आये। घरेलू बाजार में आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,44,700 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,24,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 1,529 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,000 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,46,529 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से कच्चे तेल की कीमत चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंची

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

वैश्विक स्तर पर बुधवार को कच्चे तेल पर दबाव देखने को मिला और इससे दाम करीब चार महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता से आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होना है। सत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड का दाम 0.70 प्रतिशत कम होकर 76 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.76 डॉलर प्रति बैरल पर था। होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आपूर्ति में लंबे समय तक रुकावट की चिंता कम होने के बाद पिछले महीने कच्चे तेल में 20 प्रतिशत से ज्यादा की भारी गिरावट देखी गई है। बाजार के सेंटीमेंट में बदलाव ऐसे समय पर हुआ है, जब ईरान के साथ टकराव शुरू होने के बाद से खाड़ी में फंसे तेल टैंकर, रणनीतिक रूप से अहम जलमार्ग से फिर से गुजरने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिका, ईरान और इलाके के दूसरे अहम देशों के बीच कूटनीतिक कोशिशों से भी तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को भारत के लिए एक अच्छी बात माना जा रहा है, क्योंकि भारत दुनिया में तेल आयात करने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। जानकारों ने कहा, 'ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी गिरावट से भारत के लिए मैक्रो-इकोनॉमिक चुनौतियां कम हो गई हैं। रुपया स्थिर हो गया है और एफआईआई की बिकवाली भी कम होती दिख रही है। यह बाजार के लिए अच्छी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि ब्रेंट क्रूड का भाव 76 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास बने रहना भू-राजनीतिक तनाव में कमी और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में प्रगति को दर्शाता है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। हालिया गिरावट के बावजूद, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इस रास्ते से होने वाली शिपिंग गतिविधियों में किसी भी तरह की रुकावट - जो वैश्विक तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है - ऊर्जा बाजारों में फिर से उतार-चढ़ाव पैदा कर सकती है।

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर डेफी 22 पेश, जबर्दस्त माइलेज का दावा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी फेराटो ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, डेफी 22, पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर एक बार पूर्ण रूप से चार्ज होने पर 100 किलोमीटर तक की वास्तविक दूरी तय कर सकता है, जो इसे शहरी और अर्ध-शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाता है।

फेराटो डेफी 22 को कई आकर्षक द्वि-रंगी रंग विकल्पों में उपलब्ध कराया गया है, जिनमें शैंपेन क्रीम, ब्लैक फायर, कोस्टल आइवरी, यूनिटी व्हाइट, रेजिलिएंस ब्लैक, डव ग्रे और मैट ग्रीन जैसे रंग शामिल हैं। इस स्कूटर में 2.2 किलोवाट-घंटा क्षमता की लिथियम फेरो फॉस्फेट बैटरी दी गई है, जिसके साथ 1200 वाट की विद्युत मोटर जोड़ी गई है, जो आवश्यकता पड़ने पर 2500 वाट तक की अधिकतम शक्ति उत्पन्न कर सकती है। स्कूटर की अधिकतम गति 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है, जो शहरों में नियमित उपयोग के लिए पर्याप्त है। फेराटो ने इस स्कूटर में आधुनिक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा है; इसमें सात इंच का स्पर्श आधारित डिजिटल प्रदर्शन पटल दिया गया है, जो वाहन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है, साथ ही इसमें संगीत सुविधा भी शामिल है। स्कूटर में 12 इंच के आकर्षक मिश्रधातु पहिए दिए गए हैं। कंपनी ने डेफी 22 में सुरक्षा को भी महत्व दिया है, जिसमें संयुक्त डिस्क ब्रेक प्रणाली और बैटरी को धूल व पानी से सुरक्षा देने वाली विशेष श्रेणी शामिल है।

अगले महीने कई एसयूवी मॉडल होंगे लांच

नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून । भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अगले महीने कई दमदार एसयूवी लॉन्च होने वाली हैं। इन एसयूवी में शानदार रोड प्रेजेंस और बेहतरीन फीचर्स देखने को मिलेंगे। सबसे पहले, स्कोडा 22 जून 2026 को नई स्कोडा कोडिएक आरएस लॉन्च करने जा रहा है। यह कंपनी की परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड एसयूवी होगी, जिसमें 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा जो 263 हॉर्सपावर की पावर और 400 एनएम का टॉर्क जेनरेट करेगा। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी सिर्फ 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसके बाद, टाटा मोटर्स अपनी सिएरा ईवी को 30 जून 2026 को लॉन्च करेगी। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को कई बार भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। सिएरा ईवी का डिजाइन इसके पेट्रोल और डीजल वर्जन जैसा ही रहने की उम्मीद है, जिसमें ऊंचा स्टांस और रगेड एसयूवी लुक होगा। यह कंपनी के एक्टी.ईवी+ प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं, साथ ही सिंगल मोटर और ड्यूल मोटर, तथा टॉप वेरिएंट में ऑल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) सिस्टम भी दिया जा सकता है। वहीं, निसान अपनी नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टॉन को 9 जुलाई 2026 को इंडियन मार्केट में उतारेगी। यह एसयूवी रेनो डस्टर का रीबैज्ड वर्जन होगी, जो आरजीएमपी प्लेटफॉर्म पर आधारित रहेगी।

गौतम अदाणी के तीन बुनियादी सिद्धांतों से अगले एक दशक में समूह के क्रियान्वन में आएगी तेजी

» **अहमदाबाद, यूटर्न/ 24 जून**

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बुधवार को तीन बुनियादी सिद्धांतों को सामने रखा, जो अगले एक दशक में समूह के विजन के क्रियान्वन में अहम भूमिका निभाएंगे।

गौतम अदाणी ने 34वीं एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) 2026 में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, 'भविष्य में पहले से कहीं अधिक महत्वाकांक्षा, अनुशासन और काम को अंजाम देने की क्षमता की जरूरत होगी, लेकिन हम सब मिलकर तैयार हैं झ्र निर्माण करने के लिए, सेवा करने के लिए और ऐसे भारत को आकार देने में मदद करने के लिए, जिसके सबसे अच्छे दिन अभी आने बाकी हैं।' अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा, 'पहले बुनियादी सिद्धांत के तहत हम अपने काम करने के तरीके को आसान बना रहे हैं। हम अपने मुख्यालय और परियोजना स्थलों, दोनों जगहों पर तीन-स्तर का ढांचा लागू कर रहे हैं जिससे अफसरशाही कम हो, जवाबदेही बेहतर हो और फैसले लेने और उन्हें लागू करने के बीच की दूरी कम हो। हर रोल, हर प्रोसेस और हर लेवल से कुछ न कुछ फायदा (वैल्यू) मिलना चाहिए। जो काम हमारे मुख्य कामकाज का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें या तो हमारे जीसीसी या फिर चुने हुए पार्टनर्स को सौंप दिया जाएगा।'

दूसरा, हम अपने कॉन्ट्रैक्टर्स के साथ काम करने का तरीका बदल रहे हैं। गौतम अदाणी ने जोर देते हुए कहा, 'हम अपने कॉन्ट्रैक्टर्स को देश-निर्माण में लंबे समय के पार्टनर के तौर पर देखते हैं। हम और मजबूत और स्थायी पार्टनरशिप बनाएंगे, जिसमें उनकी वृद्धि को समर्थन मिले, उनके मार्जिन सुरक्षित रहें और उनके हित हमारे हितों से जुड़े हों, ताकि हम ज्यादा तेजी, बेहतर गुणवत्ता और ओनरशिप के साथ प्रोजेक्ट पूरे कर सकें।'

रंजिश के चलते ऑटो चालक की चाकू से गोदकर हत्या

लोनी, यूटर्न/ 24 जून । अंकुर विहार थानाक्षेत्र के विजय विहार कॉलोनी में मंगलवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते आफताब की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से भाग गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दोनों पक्षों में कुछ दिन पहले ही विवाद हुआ था। पुलिस ने हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित कर दी है। जीवन गेट कॉलोनी निवासी शकील अपने परिवार के साथ रहते हैं और उनका बेटा आफताब (24) ऑटो चलाता था। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले आफताब का विजय विहार कॉलोनी निवासी कुछ युवकों से झगड़ा हुआ था। मंगलवार रात आफताब विजय विहार कॉलोनी पहुंचा तो दूसरे पक्ष के लोगों से फिर विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच गाली गलौज हुई तो आरोपियों ने आफताब पर एक के बाद एक कई चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। घायल आफताब को आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आफताब के साथ हुई घटना की जैसे ही परिजन को जानकारी हुई तो घर में मातम छा गया। लोगों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी तो थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते घटना को अंजाम देने की बात सामने आई है। जिन लोगों पर हत्या का आरोप है वह भी भागे हुए हैं। हालांकि अभी परिजन की ओर से तहरीर नहीं मिली है। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करके आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित कर दी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चौकी इंचार्ज पर अभद्रता का आरोप, थाने में प्रदर्शन

गाजियाबाद, यूटर्न/ 24 जून । हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मसूरी थाने में मंगलवार की देर शाम जमकर हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने कस्बा चौकी इंचार्ज के निलंबन और 13 दिनों से लापता युवती को बरामद करने की मांग की। पुलिस ने युवती को 24 घंटे में बरामद करने का आश्वासन दिया है। हिंदू रक्षा दल के सौरव डासना, गौरव सिसौदिया, हर्षित राठौर और मनीष हिंदू ने बताया कि मसूरी की एक कॉलोनी निवासी युवती को गैर सम्प्रदाय का युवक बहलाकर ले गया है। आरोप है कि युवती 13 दिनों से लापता है। युवती की मां कस्बा चौकी इंचार्ज के पास शिकायत दर्ज कराने पहुंची तो अभद्र व्यवहार किया गया। साथ ही जेल में भेजने की धमकी दी गई। कार्यकर्ताओं ने करीब एक घंटे तक थाने में धरना दिया। चौकी इंचार्ज को निलंबित करने और लापता युवती को बरामद करने की मांग की। एसीपी मसूरी अजय कुमार ने बताया कि युवती को जल्द बरामद कर लिया जाएगा। युवती की लोकेशन मिल चुकी है। केस पूर्व में ही दर्ज कर लिया गया था। चौकी इंचार्ज पर लगाए गए आरोपों की जांच कर रिपोर्ट डीसीपी सिटी को भेजी जाएगी।

पासपोर्ट अदालत 25 जून को

गाजियाबाद, यूटर्न/ 24 जून । पासपोर्ट आवेदकों की लंबित फाइलों के त्वरित निस्तारण के लिए 25 जून को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप ने कहा कि अदालत हापुड़ चुंगी स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक कक्ष संख्या-320 में लगेगी। इसमें खुद क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी मौजूद रहेंगे और आवेदकों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। समय की सीमित उपलब्धता के कारण इस अदालत में 50 आवेदकों की फाइलों का निस्तारण किया जाएगा।

किराये की कोख के नाम पर नवजात तस्करी का खुलासा

» **दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।**

नवजात बच्चों की तस्करी कर खरीद-फरोख्त मामले की जांच में पता चला है कि आरोपी बच्चों की चाह रखने वाले दंपती को आईवीएफ तकनीक का झांसा देकर उनको बच्चे उपलब्ध करवाया जाता था। इन दंपतियों को किराए की कोख (सरोगेसी) से बच्चा पैदा करवाने का झांसा दिया जाता था।

नौ महीने बकायदा आईवीएफ के नाम पर दंपती से मोटी रकम वसूली जाती थी। बाद में उनको खरीदा गया बच्चा, दंपती का अपना बच्चा बताकर दे दिया जाता था। ऐसे ही एक मामले का खुलासा ऋषिकेश से एक महिला की गिरफ्तारी के बाद खुला है।

पुलिस ने सोमवार को ऋषिकेश में छापेमारी कर एक और बच्चे को बरामद कर 32 साल की महिला को गिरफ्तार किया है। महिला इस बात से पूरी तरह अनजान थी कि उसके पास बच्चा उसका नहीं बल्कि उसे खरीदकर सौंपा गया है। पुलिस की पूछताछ में महिला ने खुलासा किया है कि उसकी शादी को 12 साल हो चुके थे। शादी के कुछ दिनों बाद उसके पति को पैरालाइज हो गया था। परिवार को बच्चे की चाहत थी। एक रिश्तेदार ने उनको डॉ. विवेकी का पता दिया।

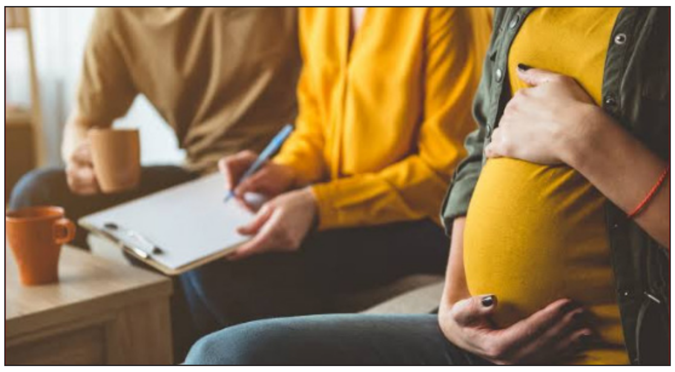

महिला परिवार के साथ डॉ. विवेकी से मिली। विवेकी ने आईवीएफ तकनीक से बच्चा पैदा होने का आश्वासन दिया। डॉ. विवेकी ने योजना के तहत करीब 9 माह तक महिला और उसके पति को इलाज के नाम पर अपने अस्पताल बुलाया। उनको अश्वासन दिया गया कि किराए की कोख में उनका बच्चा पल रहा है। बाद में 4 जून को कागजी कार्रवाई कर महिला को उसका अपना बच्चा बताकर खरीदा हुआ बच्चा थमा दिया गया। पुलिस ने सोमवार को जब महिला को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने महिला को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इससे पूर्व पुलिस ने शनिवार को रोहिणी में छापेमारी कर गरिमा जैन (37) और इसके ससुर सतीश जैन (70) को गिरफ्तार कर इनके पास से एक खरीदा गया नवजात बरामद किया। गरिमा का पति प्रवेश जैन फरार है। इन्होंने डॉ. विवेकी से 9.30 लाख रुपये में बच्चा खरीदा था।

पुलिस ने इनको भी अदालत में पेश किया, जहां से इनको जेल भेज दिया गया। मध्य जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में अब तक 7 बच्चों को बरामद 16 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें अस्पताल की मालिक डॉ.विवेकी और बाकी लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने बिहार, आगरा, दिल्ली-एनसीआर में बेचे गए कुछ बच्चों का पता लगाया है।

बता दें कि 18 जून को मध्य जिला के स्पेशल स्टाफ ने अंतरराज्जीय नवजात बच्चों की तस्करी कर उनके सौदा करने वाले गिरोह का खुलासा किया था। मामले में उस दिन 5 नवजात बच्चों को बरामद कर कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने 18 जून को नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर दिल्ली के निजी अस्पताल की संचालिका समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से पांच नवजातों को बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि गिरोह डेढ़ साल में विभिन्न राज्यों में 30 बच्चों को बेच चुका है। आरोपी राजस्थान और गुजरात के गरीब परिवारों को लालच देकर महज 10 से 15 हजार रुपये में उनके बच्चे खरीद कर बेऔलाद दंपतियों को 5 से 10 लाख रुपये में बेचते थे। गिरोह के तार दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात से जुड़े हैं। नवजात बच्चों का सौदा करने में प्रतिभा अहम भूमिका अदा करती थी। हीरा मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल के अलावा दिल्ली-एनसीआर के कई आईवीएफ सेंटर और अस्पतालों से इसके संपर्क थे। प्रतिभा ऐसे दंपती की तलाश करती थी, जिनके यहां बच्चे पैदा नहीं हो पा रहे थे।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार एएसआई घायल, पैर में आया फ्रैक्चर

गुरुग्राम, यूटर्न/ 24 जून । डीएलएफ फेज-3 थाना क्षेत्र में मौलसरी रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार बाइक ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार एएसआई घायल हो गए। घायल एएसआई ने डायल-112 पर कॉल की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों ने भी घायल पुलिसकर्मी की मदद नहीं की। ऐसे में उन्होंने अपने साथी एएसआई सतिंद्र सिंह को कॉल करके बुलाया। हादसे में एएसआई के पैर में फ्रैक्चर आया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि स्कूटी को टक्कर मारने वाली बाइक के नंबर के आधार पर चालक की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार करके आगामी कार्रवाई की जाएगी।

एएसआई देशराज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे दिल्ली के रजोकरी में रहते हैं और गुरुग्राम पुलिस में एएसआई के पद पर तैनात हैं। वे 21 जून की सुबह रजोकरी से गुरुग्राम आ रहे थे। सुबह करीब 6 बजे वे एंबियंस मॉल से आगे सर्विस लेन से मौलसरी रोड डीएलएफ फेज-3 की ओर मुड़ने वाले थे इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी और वे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने डायल-112 पर कॉल की तो वहां पर उनकी कॉल रिसीव नहीं हो पाई जिसके बाद उन्होंने अपने साथ एएसआई सतिंद्र सिंह को कॉल कर हादसे के बारे में बताया। उनके साथी मौके पर पहुंचे व उनको निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। घायल की शिकायत पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ 22 जून को डीएलएफ फेज-3 थाने में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

नियमित कूड़े का उठान नहीं होने लोगों की बढ़ी परेशानी

» **गुरुग्राम, यूटर्न/ 24 जून ।**

सेक्टर 112-114 को विभाजित करने वाले सेक्टर रोड पर कई महीनों से कूड़े का ढेर लगा हुआ है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से नियमित कूड़े का उठान नहीं होने से आसपास के इलाकों में भी बदबू और गंदगी फैल रही है।

इस सड़क के आसपास करीब तीन सेक्टर और एक गांव है, जिसमें सेक्टर 112, 113, 114 और बजघेड़ा गांव शामिल है। इसमें करीब पांच हजार से अधिक लोग रहते हैं। इस बारे में कई बार नगर निगम गुरुग्राम, पार्षद जैसे कई अधिकारियों को शिकायत की गई है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई। निवासियों ने बताया कि इस कूड़े का ढेर से लोगों की आवाजाही करने में परेशानी हो रही है। वहीं बदबू और गंदगी से लोगों को रहना दुभर हो रहा है। लोगों का आरोप है कि

नगर निगम की ओर से रोजाना कूड़े का उठान नहीं किया जाता है, जिससे यह कूड़े का ढेर पहाड़ का रूप ले रहा है। लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इस कूड़े का उठान किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

राजा चौक के पास युवक का मिला शव

फरीदाबाद, यूटर्न/ 24 जून । शहर के राजा चौक के पास मंगलवार सुबह 40 वर्षीय युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान मंगलदास के रूप में हुई है, जो लंबे समय से चौक के आसपास खुले में रहकर अपना जीवन यापन करता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। लोगों ने बताया कि मंगलदास अत्यधिक शराब का सेवन करता था। वह काफी समय से बीमार भी चल रहा था व उसे सांस संबंधी परेशानी थी। पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सीवर गैस वेंट पाइप उखाड़ने पर प्राथमिकी दर्ज

फरीदाबाद, यूटर्न/ 24 जून । सेक्टर-17 मार्केट में सीवर लाइन की गैस वेंट पाइप उखाड़कर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। नगर निगम की जांच में क्षतिग्रस्त पाइप की कीमत 58,806 रुपये आंकी गई है।नगर निगम के सहायक अभियंता सुरेंद्र खट्टर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नौ जून को संयुक्त आयुक्त, ओल्ड फरीदाबाद की ओर से व्हाट्सएप पर एक वीडियो भेजा गया था। वीडियो में सेक्टर-17 मार्केट स्थित मकान नंबर 607 के पास सीवर लाइन का गैस वेंट पाइप उखड़ा हुआ दिखाई दे रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया।

फुटपाथ पर अतिक्रमण से बढ़ी परेशानी, राहगीरों का चलना हुआ मुश्किल

गुरुग्राम, यूटर्न/ 24 जून । सेक्टर-51 स्थित मेफील्ड गार्डन क्षेत्र में फुटपाथ की खराब स्थिति और बढ़ते अतिक्रमण के कारण राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इलाके में कई स्थानों पर फुटपाथ टूटे पड़े हैं जबकि कई जगहों पर रेहड़ी और दुकानों का सामान फुटपाथ तक फैला हुआ है।

इसके कारण लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है और उन्हें मजबूरन सड़क पर चलना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फुटपाथ का उपयोग पैदल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए होना चाहिए लेकिन वर्तमान में अतिक्रमण के चलते उनका सही इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है।

एक अक्तूबर से बीएस-4 वाहनों पर लगेगी रोक

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 24 जून ।**

शहर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक अक्तूबर 2026 से यूरो-4 (बीएस-4) ट्रकों और बसों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को लेकर ट्रांसपोर्टरों में चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि इस निर्णय का सबसे अधिक असर छोटे ट्रांसपोर्टरों पर पड़ेगा, जिनकी आजीविका कुछ गाड़ियों पर ही निर्भर है। संभागीय परिवहन विभाग के आकड़ों के अनुसार शहर में करीब 50 हजार से अधिक ट्रक और बसें प्रभावित होंगी। केंद्र

सरकार ने पुराने वाहनों को हटाकर नए वाहन खरीदने पर पंजीकरण शुल्क माफ करने और 10 वर्षों तक मोटर वाहन कर में छूट देने की घोषणा की है, लेकिन ट्रांसपोर्टरों का मानना है कि यह राहत पर्याप्त नहीं है। टूरिस्ट बस टैक्सी ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष संदीप त्यागी ने बताया कि वर्ष 2022 तक खरीदे गए कई बीएस-4 वाहनों का लोन अभी भी चल रहा है।

वहीं, ट्रकों और बसों की कीमतें पिछले वर्षों में लगभग दोगुनी हो चुकी हैं। ऐसे में पुराने वाहन बेचने पर उचित मूल्य नहीं मिलेगा और नए वाहन खरीदना छोटे कारोबारियों के लिए मुश्किल होगा। उनका कहना है कि आधुनिक तकनीक, बेहतर सड़कों और उन्नत टायरों के कारण मौजूदा बीएस-4 वाहन अभी कई वर्षों तक उपयोग योग्य हैं। बड़े ट्रांसपोर्टर अपने वाहनों को दूसरे राज्यों में संचालित कर सकते हैं, लेकिन सीमित संख्या में वाहन रखने वाले छोटे ट्रांसपोर्टरों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।

आरटीओ प्रशासन प्रमोद सिंह ने बताया कि बीएस-4 के वाहनों को लेकर कोई आदेश नहीं मिला है। बीएस-2 और बीएस-3 के वाहनों पर संभागीय परिवहन विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विभाग की ओर से वाहनों को चिह्नित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

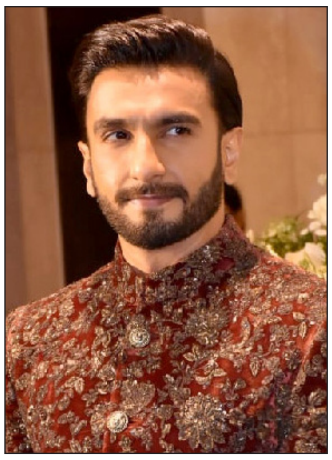

18 महीने मीडिया से दूर रहेगें रणवीर

अभिनेता रणवीर सिंह, अपनी फिल्म धुरंधर की सफलता के बाद, डॉन 3 से जुड़े एक बड़े विवाद में फंस गए हैं, जो खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। जानकारी के अनुसार, रणवीर सिंह ने डॉन 3 की शूटिंग से तीन हफ्ते पहले ही इस प्रोजेक्ट से पल्ला झाड़ लिया था, जिसकी वजह से निमार्ता फरहान अख्तर को करोड़ों रुपये का बड़ा नुकसान हुआ। इसके बाद फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह के खिलाफ फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एंप्लॉइज में शिकायत दर्ज कर दी, जिससे इंडस्ट्री में बहुत विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि, जब यह विवाद शुरू हुआ तब भी रणवीर सिंह ने इससे जुड़ी कोई सफाई नहीं दी, लेकिन अब इस मामले को लेकर एक बड़ा ट्विस्ट आया है। खबरों के मुताबिक, रणवीर सिंह अब इस मुद्दे को लेकर कोई बात नहीं करेंगे और अगले 18 महीने तक मीडिया से दूरी बनाए रखेंगे, साथ ही कोई इंटरव्यू भी नहीं देंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक ट्रेड जर्नलिस्ट ने बताया कि उन्होंने हाल ही में रणवीर सिंह से मुलाकात की और एक्टर ने यह साफ कह दिया है कि इस दौरान वे मीडिया से दूर रहेंगे।

फर्स्ट कॉपी का एक साल पूरा होने पर मुनव्वर ने जताई खुशी

साल 20 जून 2025 को रिलीज हुई कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी ने फर्स्ट कॉपी सीरीज ने मुनव्वर के एक्टिंग करियर की आधिकारिक शुरूआत को चिह्नित किया। इसने मुनव्वर को केवल एक कॉमेडियन या शायर के रूप में नहीं, बल्कि एक सक्षम और दमदार अभिनेता के रूप में स्थापित किया। यह क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 90 के दशक की मुंबई के नॉस्टैल्जिक माहौल में सेट किया गया था, जहाँ वीएचएस कैसेट और वीडियो पाइरेसी का एक जटिल और गुप्त नेटवर्क बॉलीवुड की चमक-दमक के पीछे चुपचाप फल-फूल रहा था। फर्स्ट कॉपी ने उस दौर की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और कैसे उस समय के युवाओं ने अवसरों की तलाश में अपनी पहचान बनाई, इसे बखूबी दर्शाया। मुनव्वर ने इसमें आरिफ का किरदार निभाया एक तेज-तर्रार, महत्वाकांक्षी और चतुर लड़का जो अपनी किस्मत बदलने और समाज में अपनी जगह बनाने की जिद में लगा रहता है। वॉकमैन बेचने वाले एक स्ट्रीट सेलर से शुरू होकर, आरिफ का सफर उसे मुंबई के आपराधिक अंडरवर्ल्ड की ऐसी दुनिया में ले जाता है जहाँ केवल चालाकी, शक्ति और सर्वाइवल ही असली खेल के नियम बन जाते हैं।

सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली एक्ट्रेस बनी नोरा फतेही

हाल ही में विश्व कप के मंच पर बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही ने फीफा (एफआईएफए) अपनी शानदार परफॉर्मेंस के बाद एक नया रिकॉर्ड कायम किया है, जिसने उन्हें दुनियाभर में सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस बना दिया है। नोरा फतेही ने अपनी कला और ग्लैमर से वैश्विक दर्शकों का दिल जीतने के बाद यह बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है, जिसने उनकी लोकप्रियता को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। फीफा के मंच पर नोरा का जादू कुछ ऐसा चला कि उन्होंने लोकप्रियता के मामले में कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोरा फतेही 12 जून 2026 को फीफा वर्ल्ड कप के ओपनिंग इवेंट में अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस देने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। उनकी इस परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गए, जिसके बाद से दुनिया भर के लोग उनके बारे में सर्च करने लगे और उनका नाम ग्लोबल ट्रेंड लिस्ट में शामिल हो गया। गूगल ट्रेंड के आंकड़ों के अनुसार, इस इवेंट में परफॉर्म करने के बाद नोरा फतेही ने वाकई इतिहास रच दिया है। उनकी पॉपुलैरिटी में आए इस अचानक और बड़े उछाल से हर कोई हैरान है, और यह उनकी वैश्विक अपील का सीधा प्रमाण है। इस असाधारण उपलब्धि के बाद नोरा फतेही ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने सभी फैंस को धन्यवाद कहा।

इस पोस्ट के साथ उन्होंने कुछ ऐसी खास तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें उनकी माँ, भाई, बहन और स्कूल टीचर जैसे करीबी लोग नजर आए। नोरा ने बताया कि यह पल उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि ऐसा बहुत कम होता है जब उनका पूरा परिवार और करीबी एक साथ किसी खास अवसर पर मौजूद हों। यह दर्शाता है कि यह उपलब्धि उनके व्यक्तिगत जीवन के लिए भी कितनी मायने रखती है। यह पहली बार नहीं है जब नोरा फतेही ने फीफा के मंच पर अपना जलवा बिखेरा है। इससे पहले भी साल 2022 में उन्होंने एफआईएफए वर्ल्ड कप में अपने डांस और दमदार उपस्थिति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उनका गाना भी उस समय जबरदस्त चर्चा में रहा था।

सूर्यांश ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया

मुम्बई, यूटर्न/ 24 जून । पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किये गये 23 साल के ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे की खुशी का ठिकाना नहीं है। सूर्यांश को ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के कारण आयरलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। सूर्यांश को पिछले दो साल में घरेलू क्रिकेट, आईपीएल और भारत ए टीम की ओर से लगातार किये अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है सूर्यांश के अनुसार उन्हें अभी भी भरोसा नहीं हो रहा कि वह टीम में शामिल कर लिए गये हैं। इससे उनका बचपन का सपना भी पूरा हो गया है। इस ऑलराउंडर ने अपनी । सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। साथ ही कहा कि उनके बिना कभी ये संभव नहीं होता। सूर्यांश के क्रिकेटर बनने में मां का विशेष योगदान रहा है। उनकी मां एक बैंक में काम करती थीं पर उन्होंने अपने बेटे के क्रिकेट करियर को देखते हुए उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। उन्होंने अपना पूरा समय सूर्यांश के अभ्यास, मैचों और क्रिकेट से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जरूरत पर लगाया जिससे कि सूर्यांश खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। इसी का परिणाम है कि आज सूर्यांश भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसके पूर्व क्रिकेटर जतिन परांजपे, मनीष बांगेरा और मोंटी देसाई जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी इस क्रिकेटर की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतब है कि मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले सूर्यांश दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और मध्यम गति के गेंदबाज हैं। निचले क्रम में तेजी से रन बनाने और मैच का रुख पलटने की उनकी क्षमता के देखते हुए ही चयनसमिति ने उन्हें अवसर दिया है।

पांड्या के मुम्बई छोड़कर केकेआर या रॉयल्स जाने की संभावना

मुम्बई, यूटर्न/ 24 जून । ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र में मुमबई इंडियंस में नजर नहीं आयेंगे। हार्दिक के अगले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) या राजस्थान रॉयल्स से खेलने की संभावना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार केकेआर और रॉयल्स ट्रेड डील के जरिये पांड्या को अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। मुम्बई को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो टीमों से प्रस्ताव मिले हैं। माना जा रहा है कि केकेआर प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को को लेकर कई दौर की बातचीत भी हुई है। आईपीएल के 19 वें सत्र में पांड्या का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था जिस कारण मुम्बई भी अब उन्हें टीम में बनाये नहीं रखना चाहती। वहीं पिछले दो सत्र से खराब प्रदर्शन से परेशान केकेआर हार्दिक को अपनी टीम में लाने को लेकर सभी प्रयास कर रही है। वह उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी देना चाहती है।, इसका कारण है कि अभी टीम उपकप्तान रिंकू सिंह को कप्तानी के लिए सही नहीं मानती। अभी टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे के पास है पर उनके रहते टीम का प्रदर्शन अच्छ नहीं रहा है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फटाफट खबरें

कतर में कुछ हफ्तों में सामान्य हो सकता है एलएनजी उत्पादन

दोहा, यूटर्न/ 24 जून । कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा है कि देश में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का उत्पादन अगले कुछ हफ्तों में सामान्य स्तर पर लौट सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र में हालात सुधरने लगे हैं, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है। एक साक्षात्कार के दौरान अल थानी ने कहा कि मार्च में हमले में क्षतिग्रस्त हुई एक उत्पादन इकाई को छोड़कर शेष एलएनजी उत्पादन जल्द ही सामान्य हो सकता है। उन्होंने बताया कि कतरएनर्जी की टीमें उत्पादन क्षमता बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही हैं। मार्च में रास लाफान गैस संयंत्र पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के बाद कतर को गैस उत्पादन और निर्यात गतिविधियों में कटौती करनी पड़ी थी। इस हमले से ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचा था, जिसके कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में भी चिंता बढ़ गई थी।

पीएम स्टार्मर के इस्तीफे का वैश्विक राजनीति पर होगा असर

लंदन, यूटर्न/ 24 जून । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के इस्तीफे ने न केवल ब्रिटिश राजनीति में हलचल पैदा की है, बल्कि इसके अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। लेबर पार्टी के नेता पद और प्रधानमंत्री पद से उनके हटने के बाद ब्रिटेन में नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसका असर वैश्विक कूटनीति, व्यापारिक संबंधों और यूरोपीय राजनीति पर पड़ सकता है। इस्तीफा देने के साथ ही 10 डाउनिंग स्ट्रीट से राष्ट्र को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने कहा कि लेबर पार्टी अब उन्हें अगले चुनाव में नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं मानती। उन्होंने देशहित को सर्वोपरि बताते हुए पद छोड़ने का निर्णय लिया और नए नेता को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। हाल के महीनों में पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष लगातार बढ़ रहा था। कई सांसदों और नेताओं ने उनकी नीतियों और निर्णयों पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने और लोकप्रियता में गिरावट ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ाया। यहां बताते चलें कि ब्रिटेन में प्रधानमंत्री का चयन सीधे जनता द्वारा नहीं किया जाता। संसद में बहुमत रखने वाली पार्टी का नेता ही प्रधानमंत्री बनता है।

भूकंप के बाद 200 मीटर पीछे खिसका समुद्र, तटीय इलाकों का नक्शा बदला

मिंडानावो, यूटर्न/ 24 जून । फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से मिंडानावो में 8 जून 2026 को आए भीषण भूकंप के बाद एक असाधारण प्राकृतिक घटना देखने को मिली, जहां समुद्र का पानी अचानक लगभग 200 मीटर पीछे हट गया। इस हैरतअंगेज बदलाव ने तटीय इलाकों का पूरा नक्शा बदल दिया और स्थानीय लोगों के साथ-साथ दुनिया भर के वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया। 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के दो दिन बाद जब लोग समुद्र तट पर पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि जहां कुछ दिन पहले तक नावें तैरती थीं, वहां अब सूखी जमीन दिखाई दे रही है। समुद्र के पीछे हटने से मूंगे की चट्टानें, समुद्री घास और अन्य समुद्री संरचनाएं खुलकर सामने आ गईं, जिससे क्षेत्र का पूरा स्वरूप ही परिवर्तित हो गया।

मोदी से मिले वांग यी, भारत-चीन भरोसा बढ़ाने और सहयोग गहरा करने पर जोर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 24 जून ।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को आपसी भरोसा बढ़ाने, गलतफहमियां दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालने, पारस्परिक लाभ वाले सहयोग को गहरा करने और द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए साथ काम करना चाहिए। साथ ही, दोनों देश अपने-अपने आधुनिकीकरण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा सकते हैं। बैठक के दौरान वांग यी ने कहा कि चीन और भारत को ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में उदाहरण पेश करना चाहिए।

भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्लएक्सह्ल पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा, ह्लचीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेश मामलों आयोग के

कार्यालय के निदेशक वांग यी ने नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वांग ने कहा कि चीन और भारत, दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देश और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य होने के नाते, ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। चीन, ब्रिक्स के घूर्णन अध्यक्ष के रूप में भारत की जिम्मेदारियों का समर्थन करता रहेगा और ब्रिक्स सहयोग को मजबूत बनाने के लिए भारत के साथ काम करेगा ।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लचीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने, आपसी विश्वास बढ़ाने, संदेह दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को सही तरीके से संभालने, आपसी लाभ वाले सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत-चीन संबंधों की सकारात्मक दिशा को बनाए रखने के लिए तैयार है। यह दोनों देशों की जनता के मूल हितों के अनुरूप है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं के भी अनुकूल है ।ह्व

चीनी विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हाल की प्रगति की समीक्षा की और माना कि संबंधों के सामान्य होने की दिशा में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है।

भीषण गर्मी से जूझ रहा यूरोपः फ्रांस में बिजली गुल, कई देशों ने रेड हीट वेव अलर्ट किया जारी

लंदन, यूटर्न/ 24 जून । यूरोप इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, और कई वर्षों के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। पिछले दो दिनों में इसका असर आम लोगों की जिंदगी पर साफ नजर आया है। ब्रिटेन में ट्रेन सेवाओं पर थोड़ा ब्रेक लगाया गया, जबकि फ्रांस में बिजली गुल होने से लोग परेशान रहे। इसी बीच कई देशों ने रेड हीटवेव अलर्ट जारी कर दिया है। ब्रिटेन में मौसम के कारण ट्रेन देरी से चल रही हैं। व्यवधान के बीच परिवहन अधिकारियों ने लोगों से बुधवार और गुरुवार को यात्रा करने से बचने की अपील की है। साथ ही, यात्रा करने वालों को 'बाधित सफर के लिए तैयार रहने' की चेतावनी दी गई है। नेशनल रेल ने शुक्रवार तक गैटविक एक्सप्रेस, ग्रेट नॉर्दर्न, सदर्न और थेम्सलिंक सेवाओं में व्यवधान की आशंका जताई है। यहां कई स्कूल जल्दी बंद किए जा रहे हैं या पूरी तरह बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। समरसेट में लगभग 100 स्कूल बुधवार और गुरुवार को पूरी तरह बंद रहेंगे। वहीं, बकिंघमशायर में करीब 100 स्कूल आंशिक रूप से बंद रहेंगे, जबकि ग्लॉस्टरशायर में 86 स्कूल प्रभावित होंगे।

रिकॉर्ड तोड़ हीट वेव के बीच पश्चिमी फ्रांस में बुधवार को लगभग 68,000 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अधिकारियों के अनुसार, यह मौजूदा भीषण गर्मी के दौर में देश की पहली बड़ी बिजली कटौती है। मंगलवार को फ्रांस में अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जब देश का औसत तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

फोटो स्टोरी

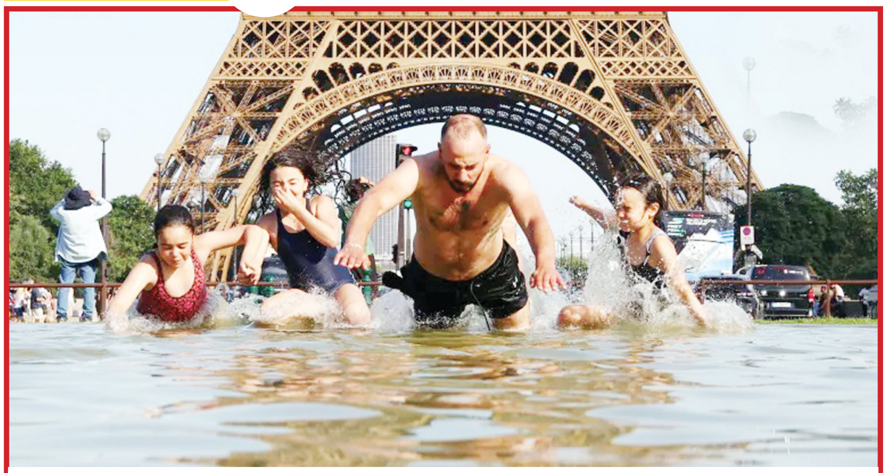

फ्रांस की राजधानी पेरिस में तेज गरमी से राहत पाने इफेल टावर के पास बने झरने में नहाते हुए लोग। यहां आजकल तापमान 40 ड्रिग्री के आसपास बना हुआ है।

दक्षिण कोरियाः जन्म दर में उछाल, सात साल का टूटा रिकॉर्ड

सोल, यूटर्न/ 24 जून । दक्षिण कोरिया में जन्मदर बढ़ी है। अप्रैल माह में पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले सात वर्षों में सबसे अधिक है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। दक्षिण कोरिया के डेटा एवं सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल में कुल 24,521 बच्चों का जन्म हुआ, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह संख्या 20,787 थी। यह आंकड़ा अप्रैल महीने के लिए 2019 के बाद सबसे अधिक है, जब 26,104 बच्चों का जन्म हुआ था। जनवरी से अप्रैल की अवधि के दौरान कुल 99,534 शिशु जन्मे, जो पिछले साल की तुलना में 15.5 प्रतिशत अधिक हैं, और यह भी सात वर्षों में सबसे ऊंचा स्तर है। अप्रैल और जनवरी-अप्रैल दोनों अवधियों में जन्म दर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, देश की कुल प्रजनन दर (एक महिला के जीवनकाल में औसतन होने वाले बच्चों की संख्या) अप्रैल में पिछले साल की तुलना में 0.13 बढ़कर 0.93 हो गई है।

जेडी वेंस ने स्पष्ट कहा- भारत किसी भी हाल में नहीं मानेगा

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 24 जून ।

अमेरिकी राजनीति में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के भीतर की कहानियों को बयां करने वाली एक नई किताब रेजीम चेंज में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस किताब में बताया गया है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक बार यूक्रेन युद्ध में भारतीय सैनिकों को तैनात करने का एक विवादास्पद प्लान तैयार किया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने इसका प्रस्ताव भी रखा, लेकिन ट्रंप ने इसे सुनते ही सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने साफ कहा था कि भारत इसके लिए कभी तैयार नहीं होगा, भले ही उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंध बेहद शानदार क्यों न हों। किताब में ओवल ऑफिस की एक बेहद गोपनीय बैठक का जिक्र है, जो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के महज 10 दिन बाद, 30 जनवरी 2025 को बुलाई गई थी। इस हाई-लेवल बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सुझाव दिया कि यूक्रेन में सीजफायर की निगरानी के लिए भारत या सऊदी अरब के सैनिकों को शांति

सैनिक बनाकर तैनात किया जाना चाहिए। हालांकि, ट्रंप ने वेंस की इस बात को बिल्कुल तवज्जो नहीं दी। किताब के मुताबिक, ट्रंप ने योजना सुनकर बेबाकी से कहा, भारतीय ऐसा नहीं करेंगे। वे इसके लिए कभी भुगतान नहीं करेंगे। उन्होंने माना कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं और प्रधानमंत्री मोदी मुझे बहुत पसंद करते हैं और वे यहां आना चाहते हैं। लेकिन इसके तुरंत बाद ट्रंप ने फिर कहा, भारतीय ऐसी चीज के लिए कभी मानेंगे। ट्रंप ने आगे स्पष्ट किया कि अगर ब्रिटेन या फ्रांस अपने सैनिकों को वहां भेजना चाहते हैं, तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, बशर्ते अमेरिका पर इसका कोई वित्तीय या सैन्य बोझ न पड़े।

फ्रांस में रिकॉर्डतोड़ गर्मी और लू का कहर, नहाने के दौरान डूबने से 40 की मौत

» पेरिस/रेन्नेस, यूटर्न/ 24 जून ।

यूरोप में रिकॉर्डतोड़ गर्मी और लू का प्रकोप जारी है, जिसके कारण फ्रांस में पिछले पांच दिनों में नदी और तालाबों में नहाने के दौरान डूबने से 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें ज्यादातर युवा हैं। इस बीच झुलसाने वाली गर्मी से जूझते फांसीसियों पर एक और मार तब पड़ी, जब मंगलवार रात करीब 1,06,000 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। फ्रांसीसी ग्रिड ऑपरेटरों के रात भर काम करने के बावजूद बुधवार देर शाम तक 68,000 घर बिना बिजली के रहे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में पड़ रही इस झुलसाने वाली गर्मी और उमस से बेहाल लोग

प्रशासन की चेतावनियों और सुरक्षा दिशा-निदेशों की परवाह किये बिना खुद को ठंडा करने के लिए असुरक्षित जल क्षेत्रों (नदियों, झीलों और प्रतिबंधित तालाबों) में तैरने उतर रहे हैं, जिससे 40 लोगों की डूबने से मौत हो गयी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा, 'मेटेओ फ्रांस' ने देश के लगभग आधे हिस्से में 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जहां तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने एक आपात बैठक के बाद बताया कि भीषण गर्मी के कारण एयर-कंडीशनिंग की कमी से स्कूल, ट्रेनें और खेल आयोजन बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस बार की लू वर्ष 2003 की उस ऐतिहासिक गर्मी की याद दिला रही है, जिसने फ्रांस में करीब 15,000 लोगों की जान ले ली थी। इस बीच, इंग्लिश चैनल पार ब्रिटेन के मौसम विभाग ने भी दक्षिणी इंग्लैंड और वेल्स के लिए 'रेड एक्सट्रीम हीट वार्निंग' जारी की है, जहां तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान वैश्विक औसत से दोगुनी तेजी से बढ़ रहा है.

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *